༄༅།།བོད་ཀྱི་རིག་གནས་དཔེ་ཆོག་ལྟེ་གནས།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W2PD17524	***ImageGroup:***	I2PD20864
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	འབར་བའི་རྡོ་རྗེའི་གསུང་དཔེ་རྙིང། 'bar ba'i rdo rje'i gsung dpe rnying /
Author:	འབར་བའི་རྡོ་རྗེ 'bar ba'i rdo rje
Descriptor:	
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	2
Total Volumes:	3
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, Southwest University of Nationalities, Chengdu, China.

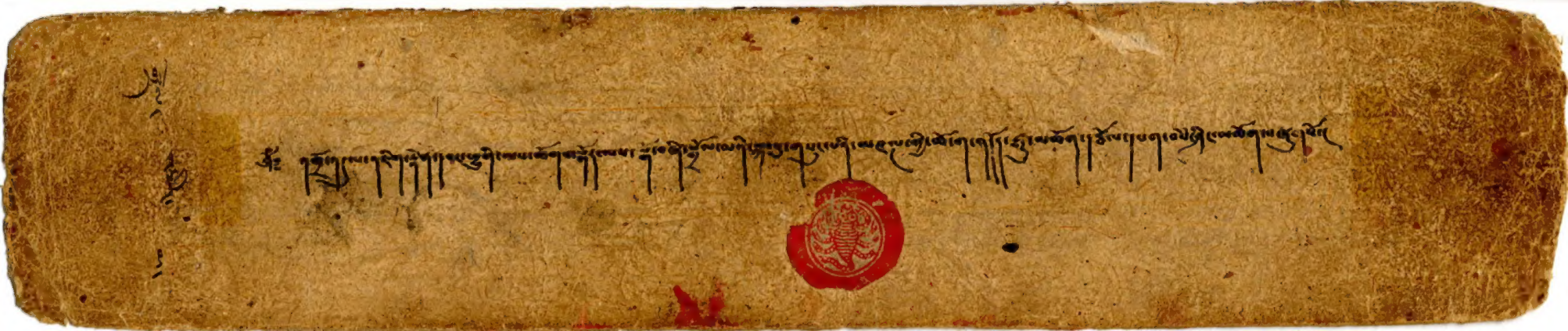

ॐ

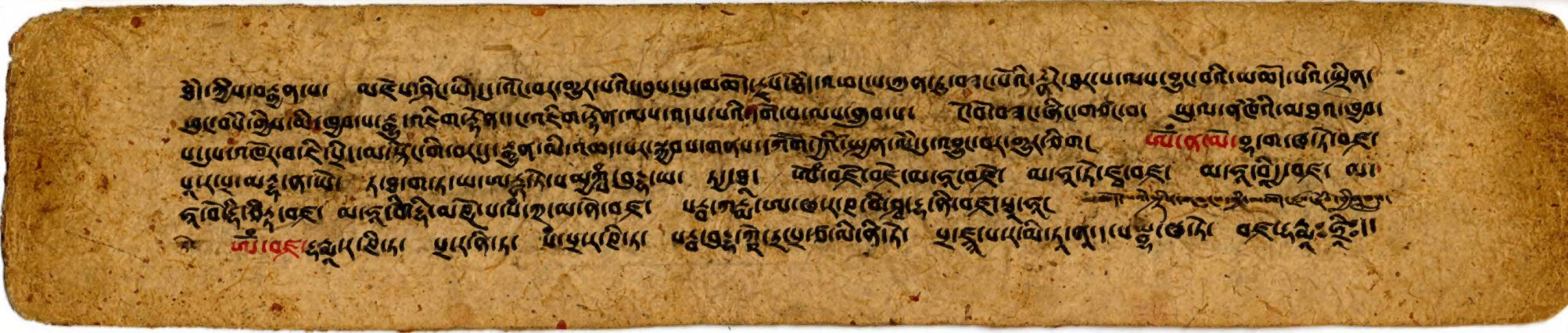

ॐ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
उग्रोग्रतेजोवपुषे महादंष्ट्रोत्कटाट्टहासभीषणाय भृकुटितटविकटस्फुटललाटोदग्रतरप्रकोपनाय
दुर्निरीक्ष्यसूर्यकोटिप्रतिमण्डलाय जगदन्तकान्तकाय यमस्यापि यमनाय मृत्योरपि मृत्यवे
अन्तकस्यापि कालनाय कालचक्रविध्वंसनकराय हुं हुं फट् फट् स्फुर स्फुर प्रस्फुर प्रस्फुर
घोरघोरतरतनुरूपचटचटाप्रहसितकिलकिलाबन्धबन्धघातयघातय हुं फट् सर्वदुष्टप्रदुष्टानां
सर्वेषां सर्वदा सर्वकालं सर्वविद्यानां सर्वकर्मणां सर्वदेवतानां सर्वभूतानां सर्वग्रहाणां
सर्वनागानां सर्वव्यसनानां सर्वदुःखानां सर्वदुर्निमित्तानां सर्वदुरिष्टानां सर्वदुर्लक्षणानां
सर्वदुःस्वप्नानां सर्वदुर्मतीनां सर्वापस्मारकाणां सर्वज्वराणां सर्वविषाणां सर्वशत्रूणां
सर्वरोगाणां सर्वापदां सर्वोपद्रवाणां सर्वभयानां सर्वोपसर्गाणां सर्वदुष्टानां

ཀཱ་ཤཱ་ཡཱ་ཡཱ་ཡཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ།
ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ།
ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ།
ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ།
ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ།
ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ།
ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ།
ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཏཱ།

ॐ

ॐ

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐོབ་པ་དང་། ཐོས་པ་ཆེ་ཞིང་ཐོས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་འཛིན་ཅིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཟིན་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཚོལ་ཞིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་བསྒྲུབ་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཤིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པ་ལ་ཡོངས་སུ་དགའ་བ་ཐོབ

ཨོཾ། ཐུབཔཱནཱཏཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཨཱཏཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།
ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ། ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ་ཡེ་ཐུབཔཱཡ་ཨཱཡུཥེ།

ज्वांदूरेहुंदूरेहुंस्फुरद्वः ज्वांदूरेहुंदूरेहुंस्फुरद्वः ज्वांदूरेहुंदूरेहुंस्फुरद्वः

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वैश्रवणाय महाराजाय महासेनाय महाबलाय महाविक्रमाय महाप्रतापाय महाविजयाय महाजयाय महाविद्याराजाय महाविद्यासाधकाय महाविद्यासिद्धाय महाविद्यासिद्धिदाय महाविद्यासिद्धिप्रदाय महाविद्यासिद्धिप्रदानाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरणाय महाविद्यासिद्धिप्रदानकरण

ॐ वज्रकुमारायै स्वाहा ॐ वज्रकुमारायै स्वाहा

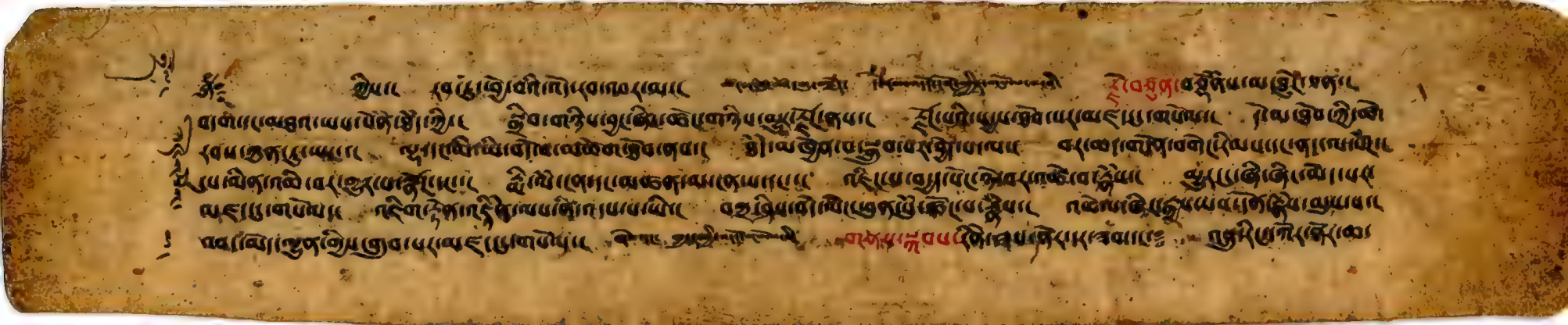

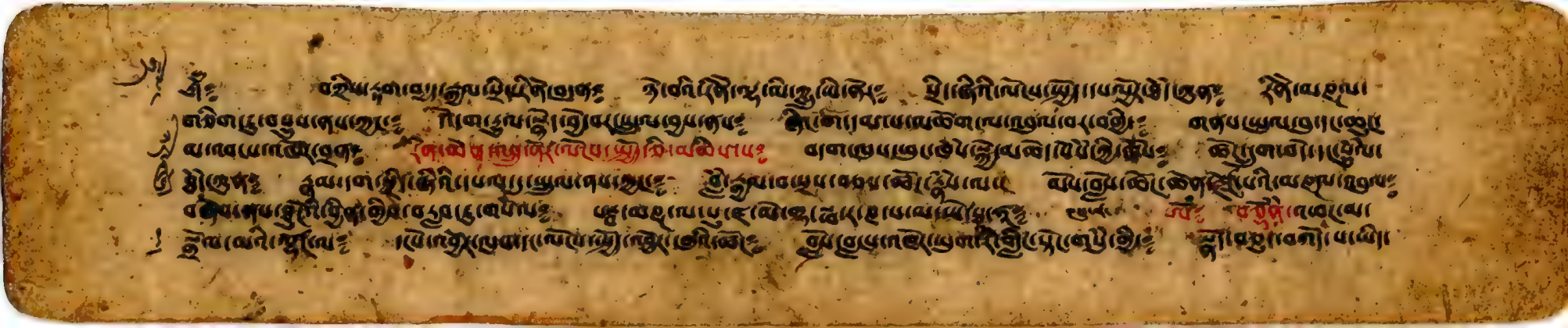

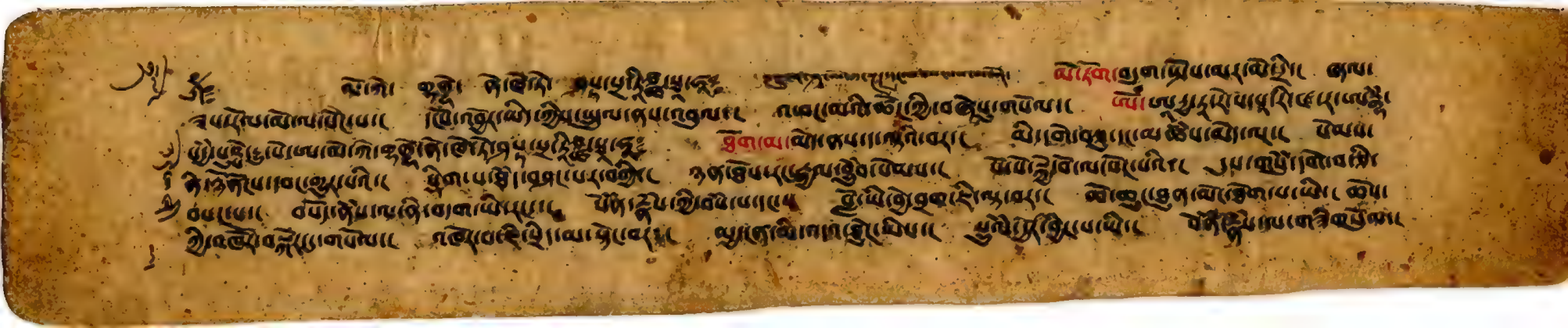

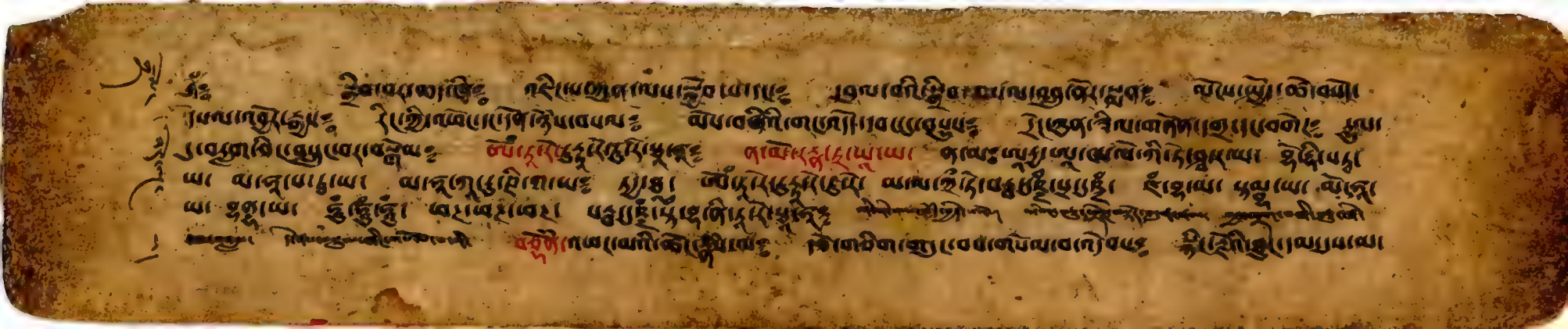

ॐ नमः

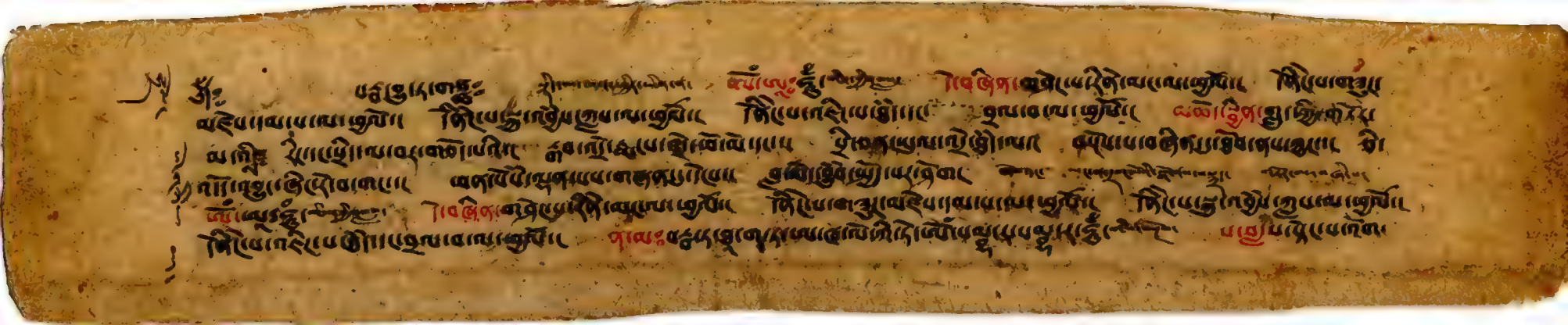

ཨཱཿ བཛྲོཏྤལཔཱཎིཡཱ་ཧི་ཧཱ་ཧི་ཧཱ་ཧཱ། བཛྲཔུཥྤཱཉྫལིཔཱཎིཡཱ་ཧི་ཧཱ་ཧི་ཧཱ་ཧཱ། ཛཿཛཿཛཿ ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ།

ॐ

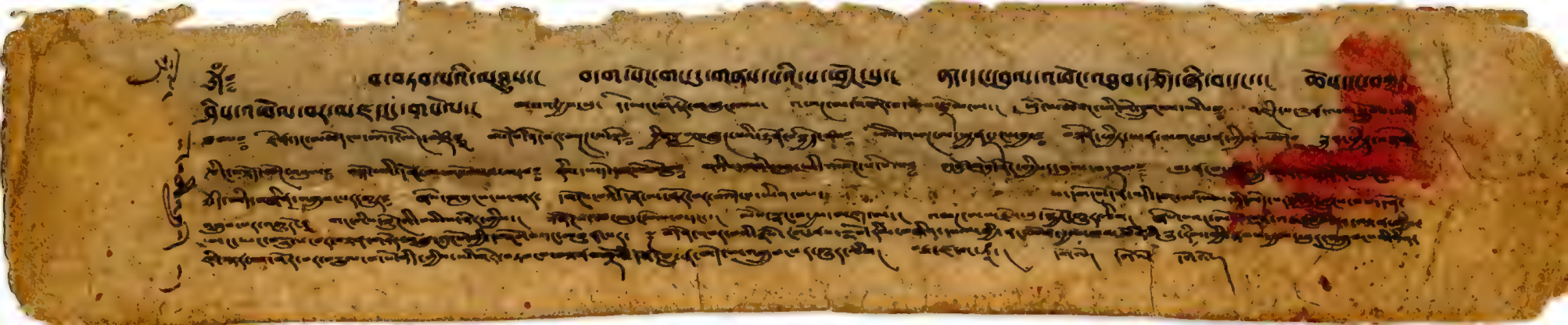

ॐ ॐ

ಪ್ರಾಜ್ಞನಾಗನಾಶ್ರಯಿಸಿರುವುದು ಶ್ರೀವಜ್ರಾನಭಿಷಿಕ್ತನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಮಾನಾಗಿ ಸ್ಥಾನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಮಿಶ್ರಿತ
ಪ್ರಕೃತಿಯಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಪರಿಪೂರ್ಣನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಸಿದ್ಧಿಯಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಪಾಪಪುಣ್ಯಾತೀತನಾಗಿರುವುದು
ಪಾಪಪುಣ್ಯಾತೀತನಾಗಿರುವುದು ಪಾಪಪುಣ್ಯಾತೀತನಾಗಿರುವುದು ಪ್ರಕೃತಿಯಾಗಿರುವುದು ಪ್ರಕೃತಿಯಾಗಿರುವುದು
ಶ್ರೀಃ ಪ್ರಾಜ್ಞನಾಗಿರುವುದು ಪ್ರಾಜ್ಞನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಃ ಪ್ರಾಜ್ಞನಾಗಿರುವುದು ಪ್ರಾಜ್ಞನಾಗಿರುವುದು
ಸ್ಥಾನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಮಾನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಮಾನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಮಾನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಮಾನಾಗಿರುವುದು
ಸ್ಥಾನಾಗಿರುವುದು ಪ್ರಾಜ್ಞನಾಗಿರುವುದು ಪ್ರಾಜ್ಞನಾಗಿರುವುದು ಶ್ರೀಃ ಪ್ರಾಜ್ಞನಾಗಿರುವುದು

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणकराय महाभयसंकटदुःखतारणकराय
शत्रुसैन्यप्रमथनकराय शस्त्रसंघातस्तम्भनकराय सर्वविघ्नविनायकोपशमनकराय दुष्टग्रहभूतप्रेतपिशाचयक्षराक्षसडाकिनीकाकिनीग्रहनिग्रहकराय
ॐ हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रपाणये महायक्षसेनापतये त्रिसाहस्रमहासाहस्रप्रविभक्तये
दक्षिणाशाधिपतये रक्ष रक्ष मां सपरिजनं सपरिग्रहं सर्वोपद्रवेभ्यः सर्वोपसर्गेभ्यः सर्वभयेभ्यः सर्वरोगेभ्यः सर्वशोकेभ्यः
सर्वदुःखदौर्मनस्येभ्यः सर्वदुर्भिक्षेभ्यः सर्वदुर्गतिभ्यः सर्वदुष्टग्रहेभ्यः सर्वदुष्टस्वप्नदुर्निमित्तेभ्यः सर्वदुष्टक्षुद्रभयेभ्यः
सर्वदुष्टराजभयेभ्यः सर्वदुष्टचौरभयेभ्यः सर्वदुष्टवैरिभयेभ्यः सर्वदुष्टव्याधिभयेभ्यः सर्वदुष्टविषभयेभ्यः
सर्वदुष्टशस्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टाग्निभयेभ्यः सर्वदुष्टजलभयेभ्यः सर्वदुष्टवातभयेभ्यः सर्वदुष्टपित्तभयेभ्यः
सर्वदुष्टश्लेष्मभयेभ्यः सर्वदुष्टसन्निपातभयेभ्यः सर्वदुष्टशीतभयेभ्यः सर्वदुष्टोष्णभयेभ्यः सर्वदुष्टक्षुत्तृड्भयेभ्यः
सर्वदुष्टकालमृत्युभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्भिक्षभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्गतिभयेभ्यः सर्वदुष्टग्रहभयेभ्यः सर्वदुष्टस्वप्नदुर्निमित्तभयेभ्यः
सर्वदुष्टक्षुद्रभयेभ्यः सर्वदुष्टराजभयेभ्यः सर्वदुष्टचौरभयेभ्यः सर्वदुष्टवैरिभयेभ्यः सर्वदुष्टव्याधिभयेभ्यः
सर्वदुष्टविषभयेभ्यः सर्वदुष्टशस्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टाग्निभयेभ्यः सर्वदुष्टजलभयेभ्यः सर्वदुष्टवातभयेभ्यः
सर्वदुष्टपित्तभयेभ्यः सर्वदुष्टश्लेष्मभयेभ्यः सर्वदुष्टसन्निपातभयेभ्यः सर्वदुष्टशीतभयेभ्यः सर्वदुष्टोष्णभयेभ्यः
सर्वदुष्टक्षुत्तृड्भयेभ्यः सर्वदुष्टकालमृत्युभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्भिक्षभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्गतिभयेभ्यः सर्वदुष्टग्रहभयेभ्यः
सर्वदुष्टस्वप्नदुर्निमित्तभयेभ्यः सर्वदुष्टक्षुद्रभयेभ्यः सर्वदुष्टराजभयेभ्यः सर्वदुष्टचौरभयेभ्यः सर्वदुष्टवैरिभयेभ्यः
सर्वदुष्टव्याधिभयेभ्यः सर्वदुष्टविषभयेभ्यः सर्वदुष्टशस्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टाग्निभयेभ्यः सर्वदुष्टजलभयेभ्यः
सर्वदुष्टवातभयेभ्यः सर्वदुष्टपित्तभयेभ्यः सर्वदुष्टश्लेष्मभयेभ्यः सर्वदुष्टसन्निपातभयेभ्यः सर्वदुष्टशीतभयेभ्यः
सर्वदुष्टोष्णभयेभ्यः सर्वदुष्टक्षुत्तृड्भयेभ्यः सर्वदुष्टकालमृत्युभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्भिक्षभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्गतिभयेभ्यः
सर्वदुष्टग्रहभयेभ्यः सर्वदुष्टस्वप्नदुर्निमित्तभयेभ्यः सर्वदुष्टक्षुद्रभयेभ्यः सर्वदुष्टराजभयेभ्यः सर्वदुष्टचौरभयेभ्यः
सर्वदुष्टवैरिभयेभ्यः सर्वदुष्टव्याधिभयेभ्यः सर्वदुष्टविषभयेभ्यः सर्वदुष्टशस्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टाग्निभयेभ्यः
सर्वदुष्टजलभयेभ्यः सर्वदुष्टवातभयेभ्यः सर्वदुष्टपित्तभयेभ्यः सर्वदुष्टश्लेष्मभयेभ्यः सर्वदुष्टसन्निपातभयेभ्यः
सर्वदुष्टशीतभयेभ्यः सर्वदुष्टोष्णभयेभ्यः सर्वदुष्टक्षुत्तृड्भयेभ्यः सर्वदुष्टकालमृत्युभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्भिक्षभयेभ्यः
सर्वदुष्टदुर्गतिभयेभ्यः सर्वदुष्टग्रहभयेभ्यः सर्वदुष्टस्वप्नदुर्निमित्तभयेभ्यः सर्वदुष्टक्षुद्रभयेभ्यः सर्वदुष्टराजभयेभ्यः
सर्वदुष्टचौरभयेभ्यः सर्वदुष्टवैरिभयेभ्यः सर्वदुष्टव्याधिभयेभ्यः सर्वदुष्टविषभयेभ्यः सर्वदुष्टशस्त्रभयेभ्यः
सर्वदुष्टाग्निभयेभ्यः सर्वदुष्टजलभयेभ्यः सर्वदुष्टवातभयेभ्यः सर्वदुष्टपित्तभयेभ्यः सर्वदुष्टश्लेष्मभयेभ्यः
सर्वदुष्टसन्निपातभयेभ्यः सर्वदुष्टशीतभयेभ्यः सर्वदुष्टोष्णभयेभ्यः सर्वदुष्टक्षुत्तृड्भयेभ्यः सर्वदुष्टकालमृत्युभयेभ्यः

ཐུགས་ཀྱི་ཐུགས་ཀར་ཨཱཿ ཞེས་བཅོལ་ཞིང་ཐུགས་ཀ་ནས་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཞེས་བྱ་བ་ནས་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཞེས་བྱ་བ་ཡི་བར་དུ་ཐུགས་ཀ་ནས་ཐུགས་ཀ་ཡི་ཐུགས་ཀ་ཏུ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཾ་ཁཱ་ཧི་ཁཱ་ཧི་ཝཛྲ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱ་ཧཱ་

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲ་ཀྲོ་དྷ་ཧཱུྃ་ཕཊ་

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲ་ཀྲོ་དྷ་ཧཱུྃ་ཕཊ་

ཀཱཡཔཱཏཱི ཀཱཡཔཱཏཱི ཀཱཡཔཱཏཱི

ॐ

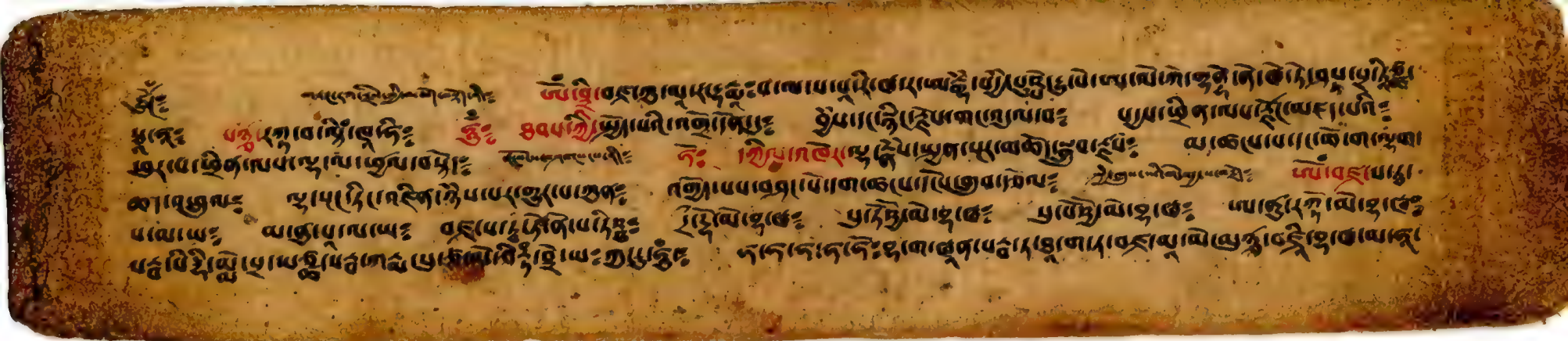

ॐ वज्रपाणिने हुं फट् स्वाहा ॐ वज्रपाणिने हुं फट् स्वाहा ॐ वज्रपाणिने हुं फट् स्वाहा

ཡིན་པའི་ཕྱིར་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་

ཨཱཿ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཧཱུྃ

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་དེ་བཞིན་དུ་ཁྱོད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བར་བྱའོ། །ཇི་ལྟར་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་དང་། དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय वज्रकायाय वज्रतुण्डाय वज्रपक्षाय वज्रनखाय वज्रनासिकाय वज्रदंष्ट्राय वज्रजिह्वाय वज्रदन्ताय वज्रमुखाय वज्रसर्वाङ्गाय वज्रज्वालामालिने वज्रवैक्रियाय वज्रभयविनाशाय वज्रशरीराय वज्रक्रोधाय वज्रतेजसे वज्रविद्युज्जिह्वाय वज्रज्वालाहसनाय वज्रभीषणाय वज्रसंवर्तकाय वज्रदावाग्नये वज्रशिखाय वज्रकुलाय वज्रकालाय वज्रकालरात्र्यर्धनारीश्वराय वज्रकापालिने वज्रश्रीमालालंकृताय वज्रयज्ञोपवीताय वज्रोत्तरासंगाय वज्रचक्राय महावज्रधराय वज्रदण्डाय वज्रशक्तये वज्रखड्गाय वज्रपाशाय वज्राङ्कुशाय वज्रगदायै वज्रमुद्गराय वज्रशूलाय वज्रपरशवे वज्रशस्त्रास्त्रपरिवृताय वज्रपर्वतवज्रप्राकाराय वज्रयोगाय वज्रयोगेश्वराय वज्रहासाय महावज्रहासाय वज्रभैरवरूपिणे वज्रयमदमनाय वज्रदण्डाय वज्रकालदण्डाय वज्रपाशाय वज्रमुद्गराय वज्रसिद्धाय वज्रविद्याराजाय महाबलपराक्रमाय महापादुकाय भूतडामराय महाडामराय महासिंहनादाय सर्वपरविद्याप्रमथनाय वज्रशृङ्खलाय वज्रसर्पाभरणाय महाकालाय कपालमालाधराय खड्गखट्वाङ्गधारिणे एकजटाय कर्वरजटाय वज्रजटिने जटामुकुटविस्फुरितोग्रवज्रमहाभीषणाय वज्रभयंकराय सर्वभयविनाशनाय नमोऽस्तु ते ओं हुं फट् स्वाहा

ಯಾಕೆವಾದನ್ನುವುದನ್ನು ಆಯನ್ನಾವಾಗಬಹುದು ಆಪ್ತವಾಗುವುದು ಆಪ್ತವಾಗುವುದು ಆಪ್ತವಾಗುವ

ஸ்ரீ ஸ்ரீவாவாவா

ಜಾವಾಪರಾವಶ್ರೀಃಶಿವಯೋಗೀಶ್ವರಶಾಸ್ತ್ರಾವತಾರೇಽಧಿಷ್ಠಾನಾ॥

ಯಂ ಯಂ ಪ್ರತಿ ಯಾಚಾ ಕ್ಷೌಮಮಿಂ ಯಾಚಾಯಾಚಾಪಾ ಶಯಾಯಾಂ ಪ್ರತಿ

ಕಲ್ಯಾಣಮಸ್ತು ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ ಶ್ರೀ

ஶ்ரீவாஞ்சுயாஞ்சுராயநோஶ்ச பூரவாஞ்சுயாஞ்சுஶ்ரீவாநஶ்வாஞ்சுராத்ரோ
ரோஶ்ரீவாஞ்சுயா வ்யுபாஞ்சுயாஞ்சுஶ்ரீவாஞ்சுயாஞ்சுராயோ ரஞ்சுயாயோவாவாஞ்சுராஞ்சுயாஞ்சுரோ வ்யுபாயுபாயுபா
ரஞ்சுயாயோவாஞ்சுயாஞ்சுரோ ஸாயுபாவாஞ்சுயாஞ்சுராஞ்சுரோவாஞ்சுராஞ்சுரோ வாஞ்சுராஞ்சுரோவாஞ்சுயாஞ்சுராஞ்சுரோ வ்யுபாயுபாயுபா
ரஞ்சுயாயோவாவாஞ்சுயாஞ்சுரோ ஸாயுபாவாஞ்சுயாஞ்சுராஞ்சுரோவாஞ்சுராஞ்சுரோ வாஞ்சுராஞ்சுரோவாஞ்சுயாஞ்சுராஞ்சுரோ

ॐ हुँ ह्रीं ह्रीं हुँ ह्रीं ह्रीं हुँ ह्रीं ह्रीं

ॐ

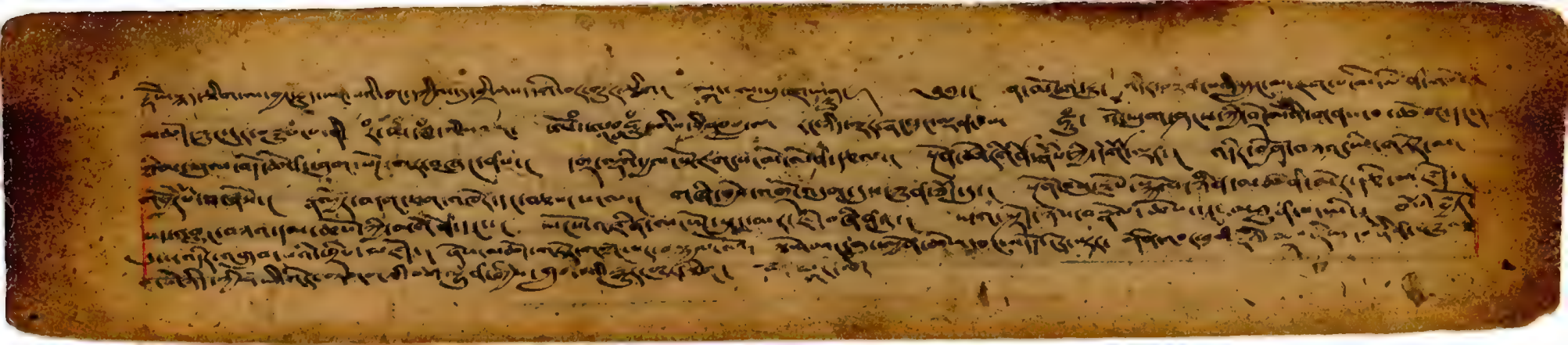

ॐ ह्रीं श्रीपद्मावत्यै नमः ॐ ह्रीं श्रीपद्मावत्यै नमः ॐ ह्रीं श्रीपद्मावत्यै नमः

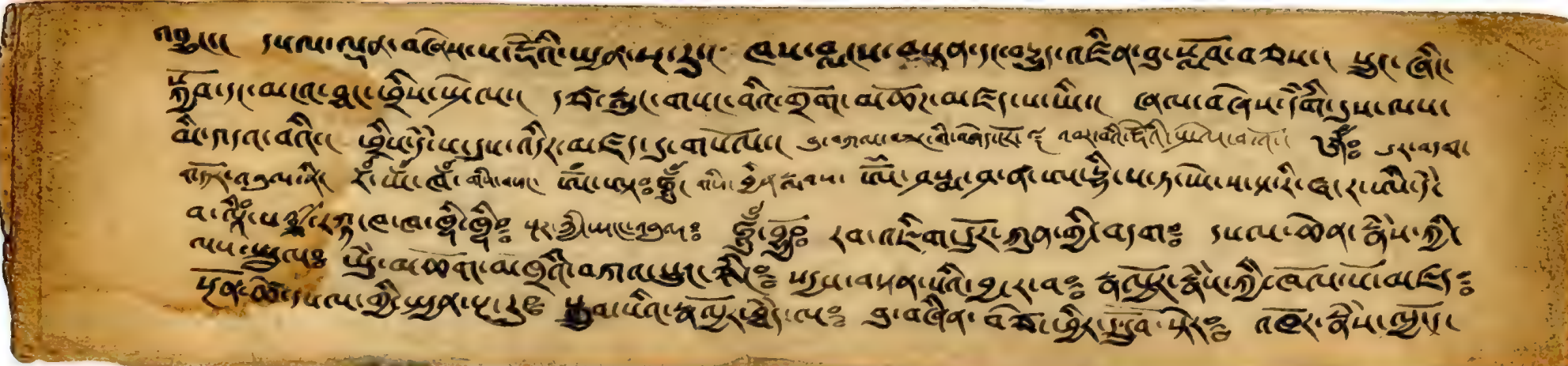

ॐ नमः शिवायाथाग्नेय
ॐ हूँ फट् स्वाहा ॐ ह्रीं भूः हूँ हृदयाय नमः ॐ ह्रीं भुवः हूँ शिरसे स्वाहा ॐ ह्रीं स्वः हूँ शिखायै वषट्
ॐ ह्रीं महः हूँ कवचाय हुं ॐ ह्रीं जनः हूँ नेत्रत्रयाय वौषट् ॐ ह्रीं तपः हूँ अस्त्राय फट्
ॐ ह्रीं सत्यं हूँ सर्वाङ्गेषु ॥ ॐ ह्रीं भूर्भुवः स्वः हूँ फट् स्वाहा ॥

ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཐུགས་ཀ་ནས་ཀྱང

[illegible]

ಕ್ಷೀಃ ತ್ರಯಃ ಪಾತ್ರೇಣಾಕ್ಷೇಪಃ ಸಕ್ಷೀಕ್ಷುರಾಮೃತಾಯಾಕ್ಷೇಪಾಯಾಃ ನಮಃ ಸರ್ವಾಯುಧಾನಿ ಸರ್ವಾಯುಧಾನಿ ನಮಃ
ಸರ್ವಾಯುಧಾನಿ ಸರ್ವಾಯುಧಾನಿ ಸರ್ವಾಯುಧಾನಿ ಸರ್ವಾಯುಧಾನಿ ಸರ್ವಾಯುಧಾನಿ ನಮಃ ಸರ್ವಾಯುಧಾನಿ ನಮಃ

ॐ

ॐ ॥ ॥ ॥

ꣳ ꣳ ꣳ

ॐ नमः परमेश्वराय परमेष्ठिने परमात्मने नमः श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यवर्य
श्रीशङ्करभगवत्पादविरचितं श्रीदक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् मौनव्याख्याप्रकटितपरब्रह्मतत्त्वं युवानं
वर्षिष्ठान्ते वसद्ऋषिगणैरावृतं ब्रह्मनिष्ठैः आचार्येन्द्रं करकलितचिन्मुद्रमानन्दमूर्तिं
स्वात्मारामं मुदितवदनं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ १ ॥ विश्वं दर्पणदृश्यमाननगरीतुल्यं निजान्तर्गतं
पश्यन्नात्मनि मायया बहिरिवोद्भूतं यथा निद्रया यः साक्षात्कुरुते प्रबोधसमये स्वात्मानमेवाद्वयं
तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्रीदक्षिणामूर्तये ॥ २ ॥ बीजस्यान्तरिवाङ्कुरो जगदिदं प्राङ्निर्विकल्पं
पुनः मायाकल्पितदेशकालकलनावैचित्र्यचित्रीकृतं मायावीव विजृम्भयत्यपि महायोगीव यः स्वेच्छया
तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्रीदक्षिणामूर्तये ॥ ३ ॥ यस्यैव स्फुरणं सदात्मकमसत्कल्पार्थकं भासते
साक्षात्तत्त्वमसीति वेदवचसा यो बोधयत्याश्रितान् यत्साक्षात्करणाद्भवेन्न पुनरावृत्तिर्भवाम्भोनिधौ
तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्रीदक्षिणामूर्तये ॥ ४ ॥ नानाछिद्रघटोदरस्थितमहादीपप्रभाभास्वरं
ज्ञानं यस्य तु चक्षुरादिकरणद्वारा बहिः स्पन्दते जानामीति तमेव भान्तमनुभात्येतत्समस्तं जगत्
तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्रीदक्षिणामूर्तये ॥ ५ ॥ देहं प्राणमपीन्द्रियाण्यपि चलां बुद्धिं च
शून्यं विदुः स्त्रीबालान्धजडोपमास्त्वहमिति भ्रान्ता भृशं वादिनः मायाशक्तिविलासकल्पितमहा-
व्यामोहसंहारिणे तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्रीदक्षिणामूर्तये ॥ ६ ॥ राहुग्रस्तदिवाकरेन्दुसदृशो
मायासमाच्छादनात्सन्मात्रः करणोपसंहरणतो योऽभूत्सुषुप्तः पुमान् प्रागस्वाप्समिति प्रबोधसमये
यः प्रत्यभिज्ञायते तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्रीदक्षिणामूर्तये ॥ ७ ॥ बाल्यादिष्वपि जाग्रदादिषु
तथा सर्वास्ववस्थासु यः स्फुरन्तं सदाहमिति स्वयमयं भासते विश्वतः

ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀུན་ན་ཡང་། །ཐེག་པ་གཅིག་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྟོན་པ་ཡིན་ཏེ། །ཐེག་པ་གཞན་ནི་ཡོད་པ་མ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡང་ཐེག་པ་གཅིག་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྟོན་པ་ཡིན་ཏེ།

ॐ हुँ नवग्रहाय [illegible]

ཀུ་པལ་ལེ་ལབ་སྟེ།། ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཞིང་། ཐུན་མོང་མ་ཡིན་པའི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐོག་མ་ཡིན་པའི་ཕྱིར་རོ།། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཏེ། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཞིང་། ཐུན་མོང་མ་ཡིན་པའི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐོག་མ་ཡིན་པའི་ཕྱིར་རོ།། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཏེ། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཞིང་། ཐུན་མོང་མ་ཡིན་པའི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐོག་མ་ཡིན་པའི་ཕྱིར་རོ།། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཏེ། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཞིང་། ཐུན་མོང་མ་ཡིན་པའི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐོག་མ་ཡིན་པའི་ཕྱིར་རོ།། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཏེ། ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཞིང་། ཐུན་མོང་མ་ཡིན་པའི་ཐེག་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐོག་མ་ཡིན་པའི་ཕྱིར་རོ།།

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वजनवशंकरि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वस्त्रीवशंकरि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वराजवशंकरि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वपशुवशंकरि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वमृगवशंकरि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वपक्षिवशंकरि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्ववशंकरि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वमुखरंजनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसंक्षोभणि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वस्तंभनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वद्रावणि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वाकर्षणि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वविद्वेषणि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वोच्चाटनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वमारणि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वमहाभयंकरि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वज्वरप्रणाशनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वविषप्रणाशनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वग्रहनिवारणि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वभूतप्रणाशनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वशाकिनीप्रणाशनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वडाकिनीप्रणाशनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वपापप्रणाशनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वदुष्टप्रणाशनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वदुष्टनिवारणि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वदुष्टविनाशनि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वदुष्टविद्रावणि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसत्त्वसर्वदुष्टविध्वंसन

ॐ हूँ हौं ...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀྱི་ཡི་ཡི་ཡ

[illegible]

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཝཾ ཧོཿ ཤིཥྱཱཿ

ཨཱརྱ་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཀུན་ཏུ་སྤྱོད

ईक्षेयुगागवावाया

व्यवयुपुरायाजेनोपुया गहेनयुजेवायवयानवयुनीवया ईवावेवावोयुयुवायुवावेया
यावेंयुहावेवेवावोयुया ईयुपुवावुवावेयावेवायुवया ईवोवेवायवयावयावोयुवा वेवेयवावेवोयुवा
वोवावेवेया पेवावोनेवावेवुवावेवोवेवोया ईवोवेवायोवेयवावुवावेवया ईवोवेवावेवोयुवा
वावेवेवायुवावोयोयुवावोवेया वोयावेयुवावेवोयोवावया ईवावोवेवावेवुवावेवोवेवोया वोयुवोवया
योवया ईवावेवेवावोयोवयेवावोया वावोयुवेवोवेवावेवया

ཐུབ་པའི་དབང་པོའི་ཞིང་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་དང་། ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། གཏོང་བ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཤེས་རབ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཁྱད་པར་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཏིང་ངེ་འཛིན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་དང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་དང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་དང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ལ་ཡིད་ཆེས་པ

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाप्रतिज्ञासत्त्वाय महाकामकामिने महाकामकामिनीसहिताय महाकामकामिनीसहितप्रियाय महाकामकामिनीसहितप्रियानुरागिणे महाकामकामिनीसहितप्रियानुरागिणीवशंकराय महाकामकामिनीसहितप्रियानुरागिणीवशंकरमहाकामकामिनीसहितप्रियानुरागिणीवशंकरमहाकामकामिनीसहितप्रियानुरागिणीवशंकरमह

ཐབས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཏེ། ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལས་ཁྱད་པར་འཕགས་པ་ཡིན་ནོ། དེ་ཡང་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལས་ཁྱད་པར་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ།

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཝཛྲ་གུ་རུ་ པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ་ཕཊ།

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཝཛྲ་གུ་རུ་ པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ་ཕཊ།

ཞེས་ བྱ་བ་ཐམས་ཅད་ ཁོ་ནས་ ཤེས་ པ་ ཡིན་ ནོ། །

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वासुदेवं सुरेशानं देवानां परमं विभुं ॥ कंसकेशिवधार्थाय गोपालं
॥ परमं भजे ॥ श्रीमद्भागवतं पुराणं ॥ श्रीमद्भागवतं पुराणं ॥ नारायणं नमस्कृत्य नरं चैव नरोत्तमं ॥ देवीं सरस्वतीं
चैव ततो जयमुदीरयेत् ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रीमद्भागवतपुराणाय नमः ॥ श्रीमद्भागवतपुराणाय नमः ॥ श्रीमद्भागवतपुराणाय नमः ॥ पुराणसंहितां श्रुत्वा
सौतेः शौनकयोगिनः ॥ तृप्यन्ति नैव मुनयः कृतपुण्यचयोपमाः ॥ तत्रादौ देवदेवस्य नारायणस्य कथां
शौनकादयः ऋषयः सूतं पप्रच्छुः ॥ तमुवाच सूतः ॥ नमस्कृत्य भगवन्तं नारायणं सर्वज्ञं सर्वेश्वरं
सर्वकारणं सर्वाधारं सर्वात्मानं सर्वान्तरं सर्वातीतं सर्वसाक्षिणं सर्वशरणं सर्वदुःखहरं
सर्वसुखप्रदं सर्वपुरुषार्थप्रदं सर्वाभीष्टप्रदं सर्वमङ्गलं सर्वमङ्गलानां मङ्गलं सर्वपावनं
सर्वपवित्रं सर्वपापहरं सर्वपापक्षयकरं सर्वपापप्रणाशनं सर्वपापविनाशनं सर्वपापनाशनं

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः
ॐ पवित्रपाणिं शुद्धाभं पुराणं मुनिसेवितं धर्मं तत्त्वं निराभासं सर्वज्ञं सर्वतोमुखं
सर्वपापहरं देवं तं वन्दे विष्णुमव्ययं ॥ १ ॥ व्यासं वसिष्ठनप्तारं शक्तेः पौत्रमकल्मषं
पराशरात्मजं वन्दे शुकतातं तपोनिधिं ॥ २ ॥ व्यासाय विष्णुरूपाय व्यासरूपाय विष्णवे
नमो वै ब्रह्मनिधये वासिष्ठाय नमो नमः ॥ ३ ॥ अविकाराय शुद्धाय नित्याय परमात्मने
सदैकरूपरूपाय विष्णवे सर्वजिष्णवे ॥ ४ ॥ यस्य स्मरणमात्रेण जन्मसंसारबन्धनात्
विमुच्यते नमस्तस्मै विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ ५ ॥ नमः समस्तभूतानामवस्थितिविसर्गयोः
हेतवेऽचिन्त्यशक्तये कूटस्थाय भवाय च ॥ ६ ॥ विकारप्रकृतिस्थाय नमस्ताभ्यां
सनातन पुरुषाय नमस्तुभ्यं व्यक्ताव्यक्तस्वरूपिणे ॥ ७ ॥ विश्वरूपाय विश्वाय
विश्वोद्भवलयात्मने विश्वेश्वराय विश्वाय परमात्मस्वरूपिणे ॥ ८ ॥ नमो विज्ञानरूपाय
परमानन्दरूपिणे कृष्णाय गोपीनाथाय जगन्नाथाय ते नमः ॥ ९ ॥ विश्वेश्वराय विश्वाय
विश्वस्थित्यन्तकारिणे विश्वसंभवरूपाय हरये परमात्मने ॥ १० ॥ नमो हिरण्यगर्भाय
हरये शङ्कराय च वासुदेवाय ताराय वराहाय नृकेसरिणे ॥ ११ ॥ वामनाय नमस्तुभ्यं
नमस्ते भार्गवाय च नमो हयशिरो रूपिन् नमस्ते मधुसूदन ॥ १२ ॥ नमो बुद्धशरीराय
नमस्ते कल्किरूपिणे नमो वेदान्तवेद्याय गुरवे बादरायणे ॥ १३ ॥ व्यासाय विष्णुरूपाय
व्यासरूपाय विष्णवे नमो वै ब्रह्मनिधये वासिष्ठाय नमो नमः ॥ १४ ॥ अविकाराय शुद्धाय
नित्याय परमात्मने सदैकरूपरूपाय विष्णवे सर्वजिष्णवे ॥ १५ ॥ यस्य स्मरणमात्रेण
जन्मसंसारबन्धनात् विमुच्यते नमस्तस्मै विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ १६ ॥ नमः समस्तभूतानां
महाभूतादिहेतवे समस्तगुणभूताय नमस्तेऽप्रकृतात्मने ॥ १७ ॥ योगविद्यात्मसंस्थाय
नमस्तुभ्यं सनातन सर्वविद्याधिपतये नमस्ते ब्रह्मणस्पते ॥ १८ ॥ नमोऽनन्तमहाभोग
पर्यङ्कशयनाय च नमः समस्तलोकानां विश्रामक्षितये सदा ॥ १९ ॥ योऽसौ ग्रसति
भूतानि सर्वाण्येकार्णवे प्रभुः कालरूपी जगन्नाथस्तस्मै विष्णवे नमो नमः ॥ २० ॥

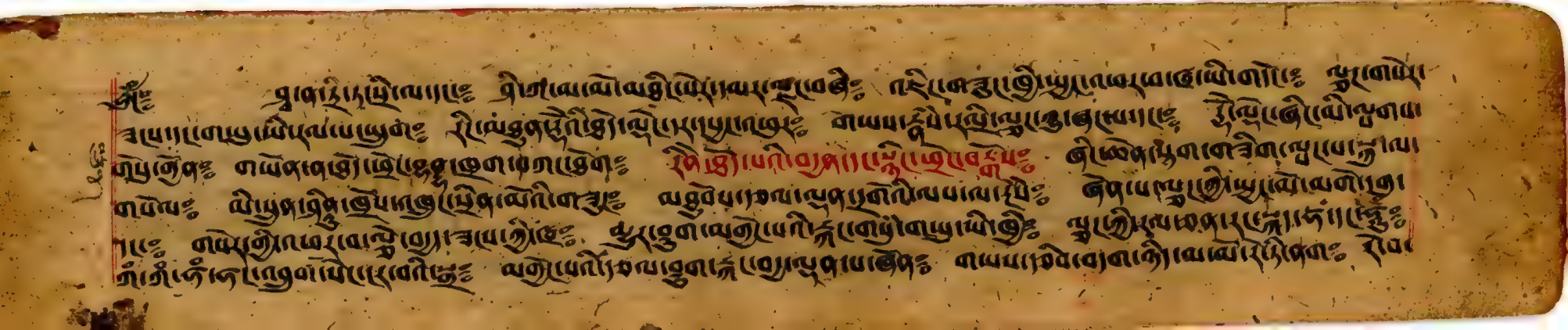

ཀོཥཱཏཀཱིབྲཱཧྨཎོཔནིཥད་ཨཱཛཱཏཤཏྲུཿ ཀཱཤྱཔཱིཡཾ་ཤཱཀྱཀུལཾ་ཝིཛིཡ་ཀཱཤྱཔཾ་

ॐ

ॐ

ಅಂಬಲಿಯಂ ಕುಡಿದು ಕಾಲಂ ಕಳೆದು ಮಾರನೆಯ ದಿವಸಂ ಬೆಳಗಾಗಿ ಎದ್ದು ಮಜ್ಜನಮಂ ಮಾಡಿ ಮಡಿಯನುಟ್ಟು ಮಡಿಯನುಡಿದು ಮಡಿಯಂ ಕೊಂಡು ಮಡಿಯಿಂ ಬಂದು ಮಡಿಯಿಂ ಪೂಜೆಯಂ ಮಾಡಿ ಮಡಿಯಿಂ ಪೂಜೆಯಂ ಕೊಂಡು ಮಡಿಯಿಂ ಪೂಜೆಯಂ ಕೊಟ್ಟು ಮಡಿಯಿಂ ಪೂಜೆಯಂ ಕೊಳಿಸಿ ಮಡಿಯಿಂ ಪೂಜೆಯಂ ಕೊಳಿಸಿ ಮಡಿಯಿಂ ಪೂಜೆಯಂ ಕೊಟ್ಟು ಮಡಿಯಿಂ ಪೂಜೆಯಂ ಕೊಂಡು ಮಡಿಯಿಂ ಪೂಜೆಯಂ ಮಾಡಿ ಮಡಿಯಿಂ ಬಂದು ಮಡಿಯಿಂ

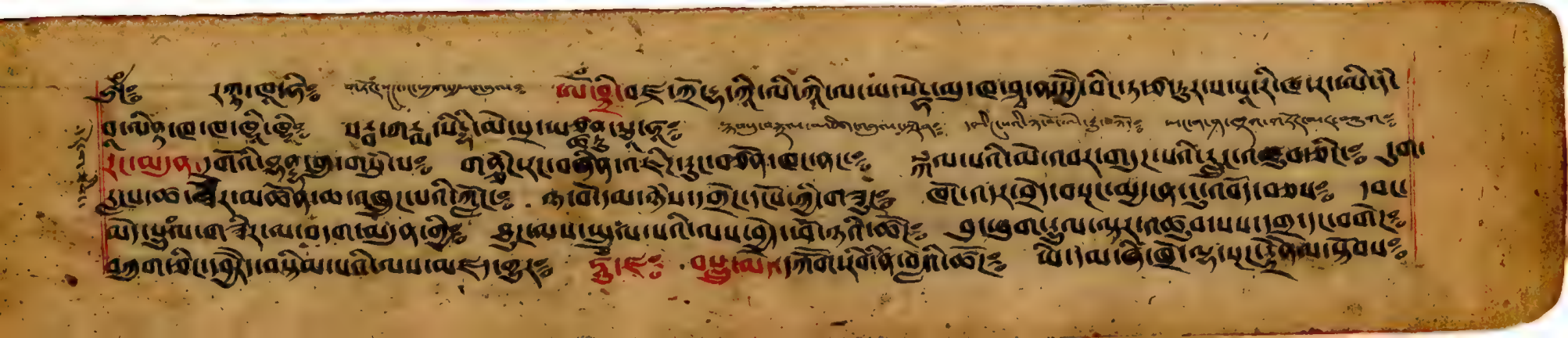

ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ བཱཡོཝཏྟྭཱཡུཔཱཡཿ བཱཡཱཝཱཡུཔཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ
ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ བཱཡཱཝཱཡུཔཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ
ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ
ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ
ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ
ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ
ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ ཨཱཡུཥྨཱནཱནནྟཱིཡཱཡཿ

ॐ

ॐ

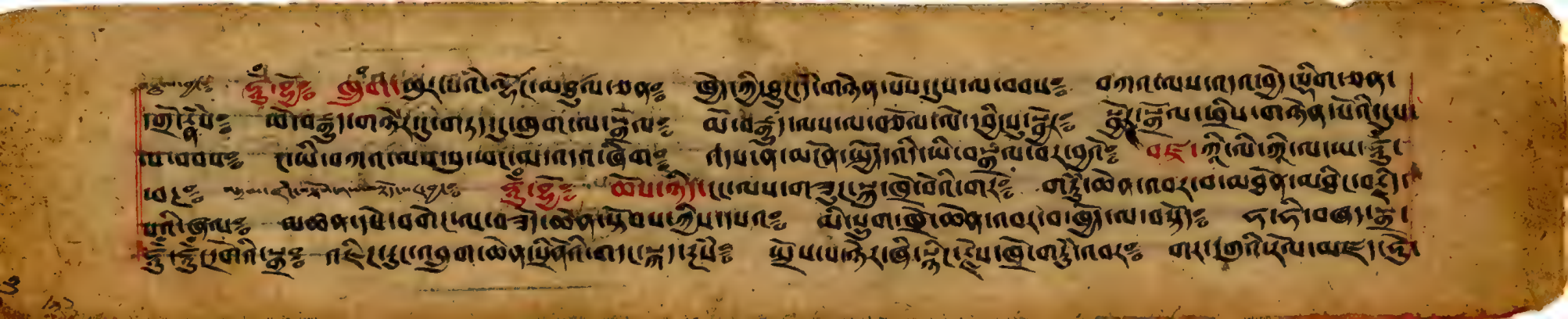

ॐ नमोऽस्तु ते बुद्धबुद्धसुतायै स्वाहा

ꠛꠣꠘꠤꠞꠣꠛꠤꠘꠣꠞ

ॐ

ॐ

ગુણીનાગુણાન્દ્રોગુણારૂપૈઃ જીવગાવોવોવોંગાયતાવોવઃ ઙોંગ્રોંગ્રોંગોગુણોગુણાગુણીગુણારૂપઃ ગુણાવાગુણાગુણાવાગુણીનોગુણાગુણ્ડ
નગગાગુણાનોવોગુણ્ગુણાવાગુણઃ ગુણીગોવોગુણાગુણાગુણાવાગુણ્ડ ગુણાગુણાગુણ્ડ ગોવોનાવાગુણાગાગુણઃ ઘોગાગુણોગુણોગોવોગુણ્ડ
ગાવાગુણાગુણાગુણાગુણાવાનોંગાગોગુણોગુણ્ડ ગુણાગુણાગુણાવાગાગોગાવાગુણ્ડ નગાવાગુણોગાગોગાગુણોગુણ્ડ ગુણાગાગુણોગોગુણાવાગુણ્ડ
ગુણોવોગાવોગુણ્ડ ગુણાગાનોગાગુણાનોગુણોગોવોગુણ્ડ ગુણોગોનોગોવાગુણોગોવાગુણ્ડ ગુણાગોવોનોવાગાગાનોગુણ્ડ ગુણાગોવોગોવોગુણ્ડ
વગોગાવાગાગુણ્ડ ગુણાગુણાગુણાવાગુણોવોગોવોગુણ્ડ ગુણોગુણાગુણોનોગુણાગુણાગુણ્ડ વગુણ્ડગોવોગોગોગાગુણ્ડ નગુણાગોગુણ્ડ
ગુણાગુણાગુણાગુણાગોગોવોગુણ્ડ વગોગોવોનોગગાનોગોવોગાગુણાગુણ્ડ ગુણાગુણાગુણોગોવોનોવોગાગુણ્ડ વાગાવગુણોગુણાગોવો

ॐ नमो अरिहंताणं नमो सिद्धाणं नमो आयरियाणं नमो उवज्झायाणं नमो लोए सव्वसाहूणं एसो पंच नमुक्कारो सव्वपावप्पणासणो मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं ॐ नमो भगवओ अरिहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सवौषधि ह्रीं नमः स्वाहा

ꣳ ꣳ ꣳ

ཨཱཿཧཱུྃ ཕཊ་ སྭཱཧཱ།

ཨོཾ་

ཀྱེ་ བཱནྡྷཔུཏྲཱཡེ བཱནྡྷགོཏྲཱཡེ ཀྱཻ [illegible] ཏཱཡཱཧཱ [illegible] ཏཱཡཱཧཱ [illegible]
[illegible] བཱནྡྷཔུཏྲཱཡེ [illegible] བཱནྡྷ [illegible]
[illegible] ཀྱཻ [illegible]
[illegible] བཱནྡྷཔུཏྲཱཡེ བཱནྡྷགོཏྲཱཡེ [illegible]
[illegible] ཀྱཻ [illegible]
[illegible] ཀྱཻ [illegible]
[illegible] ཀྱཻ

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ

ॐ पूर्वाम्बे [illegible]

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཐོག་ཏུ་ཡོད་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དེ་ལྟ་བུ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་ཤིང་རྟ་ཆེན་པོ་

ॐ

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཕཊ་ སྭཱཧཱ།

ཨོཾ

ཀུ་བཀའ་བཀུ་བཀའ་ཐོ། ཐོ་ཀཀཀ་ཀཀཀ་ཀཀཀ

ગુજરાતી ભાષા અને સાહિત્યનો ઇતિહાસ પ્રાચીન કાળથી આજ સુધી વિકસતો આવ્યો છે. તેમાં
જૈન સાધુઓ અને વિદ્વાનોનો મોટો ફાળો છે. તેમણે રાસ, ફાગુ, પ્રબંધ જેવા અનેક
સાહિત્ય પ્રકારોમાં રચનાઓ કરી છે. આ સાહિત્ય ધર્મ, નીતિ અને ઇતિહાસનું
મિશ્રણ ધરાવે છે. ગુજરાતી ભાષાના વિકાસમાં આ સાહિત્યનું મહત્ત્વનું સ્થાન છે.

ꣳ ꣳ ꣳ

ཀཱཾ ཀཱཾ ཀཱཾ

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाविद्यादेवीपरिवाराय
महाविद्यादेवीपरिवृताय महाविद्यादेवीपरिपालिताय महाविद्यादेवीपरिपूजिताय
महाविद्यादेवीपरिपूजिताय महाविद्यादेवीपरिपालिताय महाविद्यादेवीपरिवृताय
महाविद्यादेवीपरिवाराय महाविद्याराजाय महाबलपराक्रमाय भगवते वज्रकुमाराय नमो नमः ॥ ॐ
अमुकं साधय साधय ॐ हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय
महाविद्याराजाय महाविद्यादेवीपरिवाराय महाविद्यादेवीपरिवृताय महाविद्यादेवीपरिपालिताय
महाविद्यादेवीपरिपूजिताय महाविद्यादेवीपरिपूजिताय महाविद्यादेवीपरिपालिताय
महाविद्यादेवीपरिवृताय महाविद्यादेवीपरिवाराय महाविद्याराजाय महाबलपराक्रमाय
भगवते वज्रकुमाराय नमो नमः ॥ ॐ अमुकं साधय साधय ॐ हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥

ಯಾಲೆಕಾವಿಯಾಲೆಯಾ ಕಾಲೆಯಾಲಾಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಯಾಲಾಲೆಯಾ ಯಾಲೆಕಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ ಯೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ
ಯಾಲಾಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ
ಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ ಶ್ರೀಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ
ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ
ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ ಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾಲೆಯಾಲಾಲೆಯಾ

ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः
ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः
ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः
ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः ब्रह्मणो ब्रह्मविद्यायाः

ॐ पुराणाधीनानुपाधीनोगणनाज्ञानाय खानुनदेवाजानोवर्ष्ठो
नोवर्ष्ठो कुलकानाज्ञुवावाजुनोपानुवावाकपा वोवाज्ञुवाज्ञकाधोज्ञुवोवाकपाणवेका नीरानुवोनीरोवज्ञु
ज्ञुपाणीवर्ष्ठोज्ञुपावज्ञेपा श्रीनीज्ञुनानवाज्ञेपाखावाखापनोज्ञेका वज्ञेकापनोज्ञेपावज्ञेकाखापनोज्ञुप रोपा
पाणीज्ञुपाज्ञानुपाणीज्ञुका कपाज्ञुनोज्ञेपाखावज्ञवाणीज्ञेवोज्ञेजनज्ञुका वाज्ञेपाज्ञेपाज्ञुनोवज्ञकाज्ञुकाणोपा वज्ञे कुनोज्ञु
त्रकाखापोपाज्ञुकज्ञेका पाखावाज्ञुपज्ञेनोवोवाज्ञपा वकाणोवपोवज्ञेपोवोज्ञुकोका वज्ञेकाखावज्ञेपावज्ञवाणी
ज्ञेपापनोवज्ञुपा ज्ञुनोज्ञेकाखोवोवोपाखावज्ञकाखा वोवाज्ञुकावोकाखाणोवोवोज्ञेपा कपाज्ञोकवाणो

ધ્રોબાનદીમાંથી નીકળી રોહણીપરગણાના ઉત્તરભાગમાંથી વહી નીકળી ખાખરાળા પરગણાની
વચ્ચેની હદમાં કેટલાક પરગણાંમાંથી વહી નીકળી ઉત્તરમાં ઉમરાળી પરગણાની દક્ષિણ
હદમાં પૂર્વ તરફ વહી નીકળી ઉમરાળી પરગણાની પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી પરગણાની
પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી પરગણાની પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી પરગણાની પૂર્વ હદમાં થઈ
ઉમરાળી પરગણાની પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી પરગણાની પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી
પરગણાની પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી પરગણાની પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી પરગણાની
પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી પરગણાની પૂર્વ હદમાં થઈ ઉમરાળી પરગણાની પૂર્વ હદમાં
થઈ

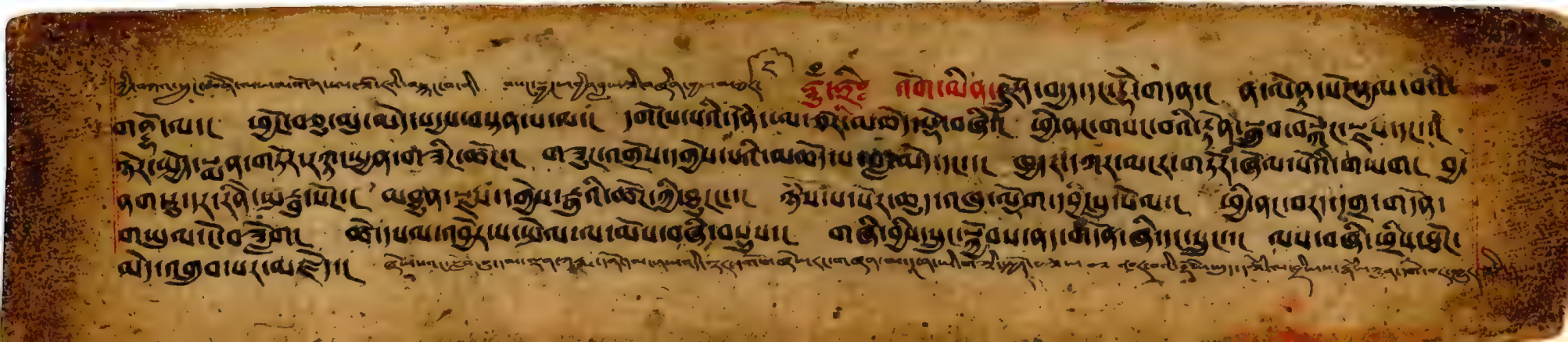

ཀཱཡཱ། ནཱཏྱེ་ནཱཔཱནཱཏྱེ་ཝཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཡཱ། ཝཱཡཱཔཱཝཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཝཱཡཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཡཱ། ཏུཾཝཱཏྱེ་ཏུཾཡཱཏྱེ་ཏུཾཡཱ། ཝཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཡཱ།
ཏཱཔཱཝཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཝཱཡཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཡཱ། ཝཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཡཱ། ཏཱཔཱཝཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཝཱཡཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཡཱ། ཏཱཔཱཝཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཝཱཡཱཏྱེ་ཡཱཏྱེ་ཡཱ།
ཏ

ཀཱ་ ཀུ་ཀཱ་ཝ་ཀཱ་ཀ་ཏེ་ཀཱ་ཀ་ཏེ་ཀཱ་ ཀེ་ཀཱ་ཀ་ཀེ་ཀཱ་ཀ་ཀོ་ཀཱ་ཀ་ཀོ་ཀཱ་ཀ་ཀཱུ་ཀཱ་ ཀཱ

ཨོཾ་ སྭསྟི་ཨཱ་ཡུ་ཤྲཱི་ཨཱ་རོ་ག་ཨཻ་ཤྭརྱ་ཨཱ་ཏྨ་ཛ་ཡ་ཨཱ་ཏྨ་ཛ་ཡ་ཨཱ་ཏྨ་ཛ་ཡ

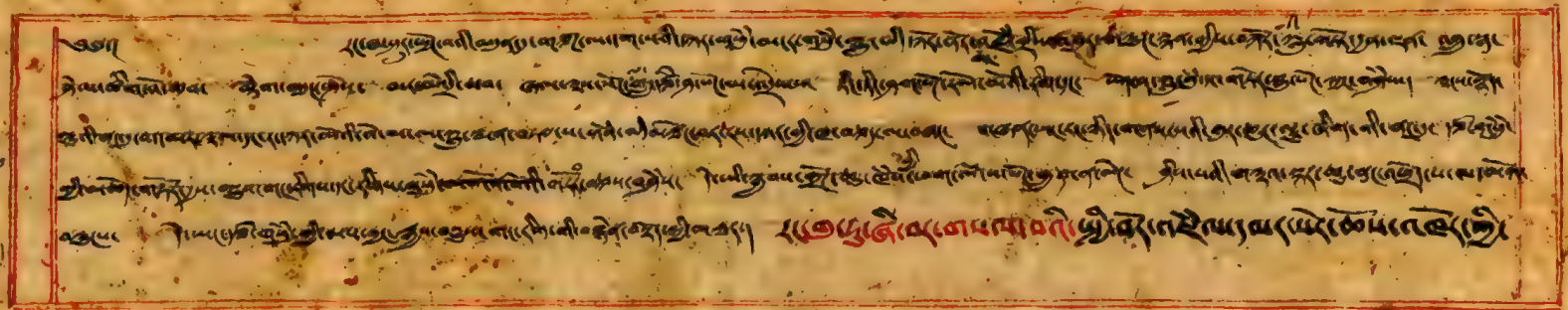

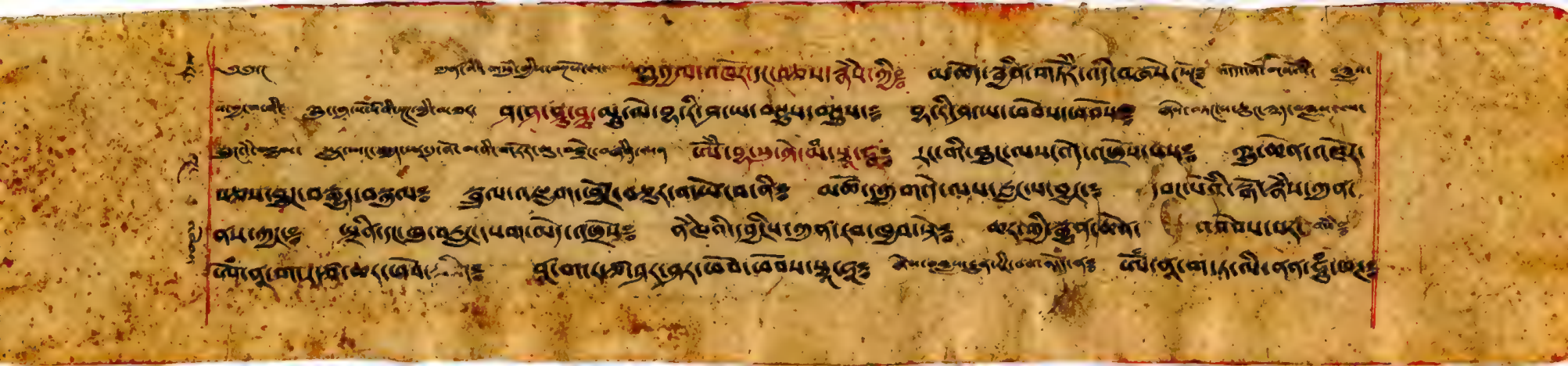

ॐ नमो भगवते अमृतकुण्डलिने मृतोत्थापनकरि सकलजनमनोहारिणि सकलजगद्वशंकरि सकलविषविनाशनकरि
सकलदुष्टग्रहनिवारणकरि सकलदुष्टजनमुखस्तम्भनकरि सकलदुष्टजनदुष्टवाक्यनिवारणकरि सकलदुष्टजनदुष्टचित्तनिवारणकरि
सकलदुष्टजनदुष्टकर्मनिवारणकरि सकलदुष्टजनदुष्टवचनविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टमुखविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टनेत्रविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टहृदयविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टकर्णविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टनासिकाविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टजिह्वाविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टदन्तविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टतालुविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टकण्ठविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टहस्तविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टपादविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वाङ्गविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वशरीरविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टसर्वबन्धनविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वरोगविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदोषविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टसर्वपापविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वकर्मविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वभयविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टसर्वविघ्नविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुःखविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वशोकविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टसर्वसंतापविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वक्लेशविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्गतिविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्भाग्यविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्लक्षणविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्निमित्तविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्मतिविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्बुद्धिविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्वचनविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्व्यवहारविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्व्यसनविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्व्यवहारविनाशनकरि
सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्व्यसनविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्व्यवहारविनाशनकरि सकलदुष्टजनदुष्टसर्वदुर्व्यस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय पुरुषोत्तमाय अधोक्षजाय नारसिंहाय अच्युताय जनार्दनाय उपेन्द्राय हरये श्रीकृष्णाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय पुरुषोत्तमाय अधोक्षजाय नारसिंहाय अच्युताय जनार्दनाय उपेन्द्राय हरये श्रीकृष्णाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय पुरुषोत्तमाय अधोक्षजाय नारसिंहाय अच्युताय जनार्दनाय उपेन्द्राय हरये श्रीकृष्णाय नमः

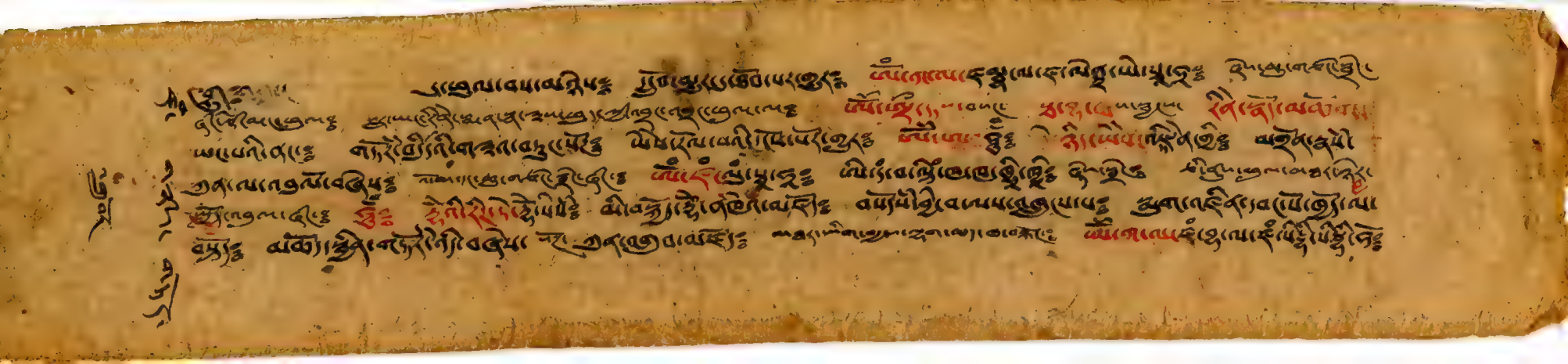

ཨོཾ་ སྐྱབས་མཆོག་ཀུན་ལས་བྱུང་བའི་ཡོན་ཏན་རྒྱ་མཚོ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་རྗེ་ཆེ་བ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར

ཨོཾ། ཨཱརྱ་ཨཱཀཱཤ་གརྦྷ་ནཱམ་མ་ཧཱ་ཡཱ་ན་སཱུ་ཏྲ། ཨཱརྱ་ཨཱཀཱཤ་གརྦྷ་ནཱམ་མ་ཧཱ་ཡཱ་ན་སཱུ་ཏྲ།

ॐ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यस्यद्वैतं न वेदा न गिरो न मनो गतिः आनन्दमात्रमात्मानं तुरीयं तं नमाम्यहं ॥ नृसिंहपूर्वतापिन्यां
वदन्ति भगवन्तं ॥ ब्रह्मणो वै पदं साक्षात् ॥ यत्तत्सत्यमनन्तं ब्रह्म ॥ यतो वाचो निवर्तन्ते ॥ अप्राप्य मनसा सह ॥ आनन्दं ब्रह्मणो
विद्वान् ॥ न बिभेति कुतश्चन ॥ तदेतत्सत्यं यदृषिरङ्गिराः ॥ तदेतद्ब्रह्मक्षत्रं ॥ तस्मादृषीणामृषित्वं ॥ ॐ
ब्रह्मणे नमः ॥ अथ हैनं भरद्वाजः ॥ सर्वेभ्यो मन्त्रेभ्यः ॥ सर्वेभ्यो देवेभ्यः ॥ सर्वेभ्यो वेदेभ्यः ॥ सर्वेभ्यो यज्ञेभ्यः ॥ सर्वेभ्यो
तीर्थेभ्यः ॥ सर्वेभ्यो मूर्तिमद्भ्यः ॥ सर्वेभ्यो ब्रह्मणेभ्यः ॥ सर्वेभ्यो ब्रह्मविद्याविद्भ्यः ॥ सर्वेभ्यो ब्रह्मविद्याविद्भ्यः ॥ सर्वेभ्यो
ब्रह्मविद्याविद्भ्यः ॥ पुनः ॥ ब्रह्मविद्याविद्भ्यः ॥ ब्रह्मविद्याविद्भ्यः ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय अंधकारविध्वंसकराय महातेजोराशये महादीप्ताय विश्वविमोहनाय हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमः श्रीगुरुभ्यः
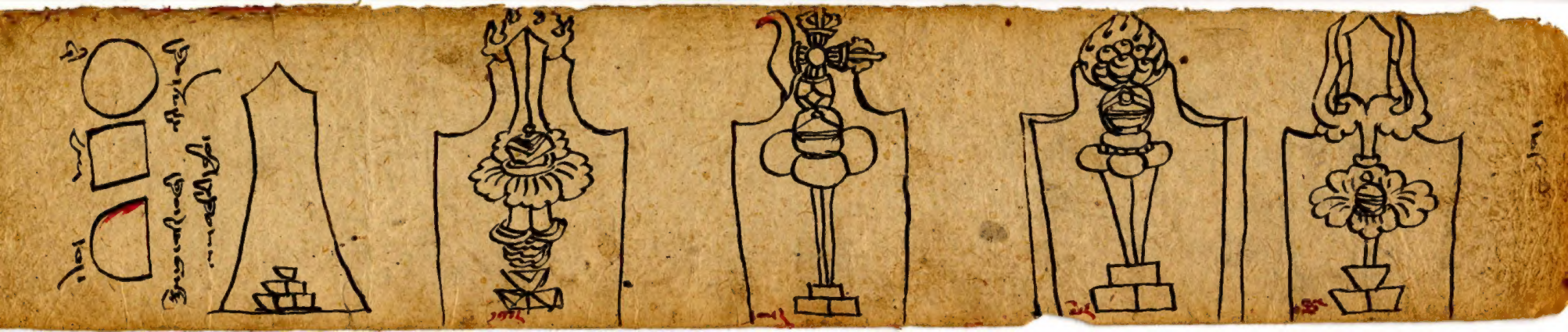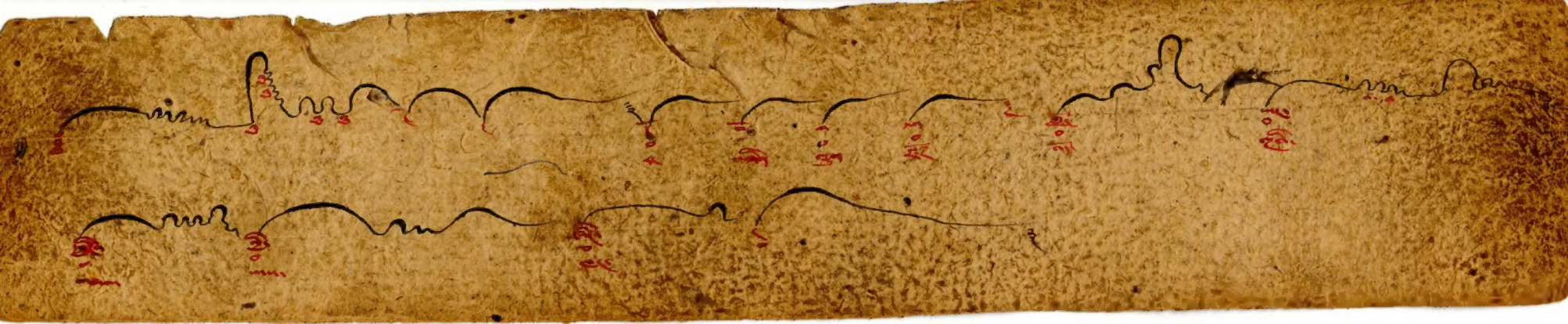
श्रीमत्परमगम्भीरमहाकरुणापूरितसकलदिगन्तरान्